



उजाला और SLNP के 6 वर्ष

चर्चा में क्यों?

उजाला (Unnat Jyoti by Affordable LEDs for All) योजना और SLNP (स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम) ने अपने सफल कार्यान्वयन के छह वर्ष पूरे कर लिये हैं। इन दोनों कार्यक्रमों ने देश भर में घरेलू और सार्वजनिक प्रकाश व्यवस्था को पुनर्जीवित किया है।

- दोनों योजनाओं का कार्यान्वयन **ऊर्जा दक्षता सेवा लिमिटेड** (Energy Efficiency Services Limited- EESL) द्वारा किया जा रहा है, जो वलियुत मंत्रालय के तहत सार्वजनिक उपकरणों का एक संयुक्त उद्यम है।
- इन योजनाओं को एलईडी क्षेत्र में परिवर्तनकारी योगदान के लिये 'साउथ एशिया प्रोक्योरमेंट इनोवेशन अवार्ड' (SAPIA) 2017, 'ग्लोबल सॉलडि स्टेट लाइटिंग' (SSL) अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस जैसे वैश्विक पुरस्कार दिये गए हैं।

प्रमुख बडि:

■ उजाला योजना (Unnat Jyoti by Affordable LEDs for All)

- उजाला, सरकार द्वारा वर्ष 2015 में शुरू की गई एक 'जीरो-सब्सिडी योजना' है।
- इसे वलिव की सबसे बड़ी घरेलू प्रकाश परियोजना के रूप में जाना जाता है।
- इसे एलईडी-आधारित घरेलू कुशल प्रकाश कार्यक्रम (DELP) के रूप में भी जाना जाता है, इसका उद्देश्य सभी के लिये ऊर्जा के कुशल उपयोग (अर्थात् इसकी खपत, बचत और प्रकाश व्यवस्था) को बढ़ावा देना है।
- प्रत्येक परिवार जो संबंधित वलियुत वलितरण कंपनी का घरेलू कनेक्शन रखता है, योजना के तहत LED बल्ब प्राप्त करने के लिये पात्र है।

■ उपलब्धियाँ:

- उजाला योजना के तहत EESL ने पूरे भारत में 36.69 करोड़ एलईडी बल्ब वलितरित किये हैं। इसके परिणामस्वरूप प्रतविर्ष 47.65 बलियन कलिलवाट घंटा की अनुमानित ऊर्जा बचत के साथ वलियुत की मांग में 9,540 मेगावाट की कमी और प्रतविर्ष अनुमानतः 38.59 मलियन टन CO2 उत्सर्जन में कमी के साथ ग्रीनहाउस गैस (GHG) उत्सर्जन में भी कमी आई है।
- इसने घरेलू एलईडी बल्ब बाजारों की वृद्धि में सहायता की है।
- इसने औसत घरेलू बजिली बलिलों को 15% तक कम करने में सहायता की है।

■ स्ट्रीट लाइटिंग नेशनल प्रोग्राम (SLNP):

- SLNP को वर्ष 2015 में शुरू किया गया था, यह भारत में ऊर्जा-दक्षता को बढ़ावा देने हेतु एक सरकारी योजना है।
- इस कार्यक्रम के तहत EESL नगरपालिकाओं द्वारा किसी भी प्रकार के नलिव के बनिा अपनी लागत पर पारंपरिक स्ट्रीट लाइटों को एलईडी से बदल देता है, जलिससे EESL द्वारा किया जा रहा यह परिवर्तन अधिक आकर्षक हो जाता है।
- इस योजना से वलियुत मांग में 500 मेगावाट की कमी, 190 करोड़ कलिलवाट की वार्षिक ऊर्जा बचत और CO2 उत्सर्जन में 15 लाख टन की कमी आने की संभावना है।
- SLNP की योजना पूरे ग्रामीण भारत को कवर करने के लिये वर्ष 2024 तक 8,000 करोड़ रुपए का नलिव आकर्षित करने की है।

■ उपलब्धियाँ:

- अभी तक 1.14 करोड़ से अधिक स्मार्ट एलईडी स्ट्रीट लाइटें लगाई गई हैं, जलिससे प्रतविर्ष 7.67 बलियन kWh की अनुमानित ऊर्जा बचत होती है तथा प्रतविर्ष 1,161 मेगावाट की उच्च मांग और 5.29 मलियन टन CO2 उत्सर्जन में कमी के साथ ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में भी कमी आती है।
- इस योजना से नगरपालिकाएँ अपने बजिली बलिलों में 5,210 करोड़ रुपए बचाने में सक्षम हुई हैं।

स्रोत- पी.आई.बी

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/6-years-of-ujala-and-slnp>